सांध्य दैनिक
4PM

हर कोई हर किसी चीज में अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई किसी न किसी चीज में अच्छा हो सकता है।
–महात्रिया रा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 248 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

पाकिस्तान के हारते ही टूटा भारत... 7 | हरियाणा से लेकर मप्र तक सियासी... 3 | चुनावी फायदे के लिए करवाया... 2

झारखंड और महाराष्ट्र चुनावों की तारीखों के ऐलान से पहले घमासान

विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग व एनडीए सरकार

- » बोले नेता- आयोग बीजेपी नेताओं के इशारे पर काम कर रहा
- » कांग्रेस व झामुमो ने पक्षपात का लगाया आरोप
- » शरद पवार, सोरेन समेत सभी नेताओं ने कसी कमर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, झारखंड व कई राज्यों के उपचुनावों के लिए तारीखों की घोषणा मंगलवार की शाम को चुनाव आयोग कर देगा। उससे पहले आयोग व मोदी सरकार पर विपक्ष ने करारा हमला बोला है। जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आरोप लगाया है कि भाजपा को कल ही पता चल गया था वह आज तारीखों का ऐलान करेगी।

वहीं कांग्रेस ने भी कहा है कि आयोग को जम्मू-कश्मीर व हरियाणा के साथ ही चुनाव करवाना चाहिए था। कुल मिला कर विपक्ष ने आयोग पर भाजपा को मदद करने का आरोप लगाया तो वहीं भाजपा ने कहा वह चुनाव को तैयार है। इन चुनावों में महाराष्ट्र में जहां महायुति को टक्कर देने के लिए महाविकास अघाड़ी ने कमर कस ली है। खासकर राज्य के अनुभवी नेताओं ने आगे आकर अपने दलों की कमान संभाल ली है। वहीं झारखंड में भाजपा व झामुमो में कड़े मुकाबले के आसार हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं ले आता नहीं रुकूंगा : पवार

राकांपा-एससीपी के नेता शरद पवार ने कहा है कि वे चाहे 84 वर्ष के हो जाएं या 90 साल के, वे तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं ले आते। दरअसल, हाल ही में जब शरद पवार चुनाव से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी कुछ युवाओं ने उनके सामने एक बोर्ड का प्रदर्शन किया, जिसमें पवार की उम्र को लेकर तंज कसा गया था। इसमें लिखा था- 84 साल पुराना। वृद्धावस्था को लेकर इस कटाक्ष पर शरद पवार ने यह बात कही। शरद पवार ने उस पोस्टर को लेकर ही अपना जवाब दिया है। उन्होंने कहा,आप चिंता न करें। हमें बहुत दूर तक जाना है। ये बूढ़ा आदमी रुकेगा नहीं। चाहे 84 वर्ष का हो जाऊं या 90 का। ये बूढ़ा आदमी तब तक नहीं रुकेगा, जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं पहुंचा देता।

हेमंत राज में जनता त्रस्त : भाजपा

भाजपा ने भी चुनाव तारीखों के एलान पर प्रतिक्रिया दी है, बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा- भाजपा और एनडीए महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी लोग सत्ता समर्थक सरकार के लिए वोट करेंगे, जो भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार होगी। झारखंड के लोग हेमंत सोरेन के वोट बैंक और भ्रष्ट राजनीति के कारण निराश हैं और वे भाजपा के नेतृत्व में विकास समर्थक, आदिवासी समर्थक सरकार के लिए वोट करने के लिए उत्सुक हैं। हमें पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार बनेगी।

दोनों राज्यों के चुनाव सितंबर में क्यों नहीं करवाए : राजेश

झारखंड कांग्रेस प्रमुख राजेश ठाकुर ने कहा, चुनाव आयोग का सम्मान करते हुए हम कहना चाहते हैं कि जब चुनाव आयोग कोई फैसला लेता है तो वह कटघरे में क्यों खड़ा होता है। झारखंड की ड्यू डेट 6 जनवरी है तो उससे पहले इसे कराएं। आप महाराष्ट्र के साथ चुनाव कराना चाहते हैं। जब हरियाणा में चुनाव की तारीख 3 नवंबर और महाराष्ट्र में 26 नवंबर थी तो आपने दोनों चुनाव एक साथ क्यों नहीं कराए गए? जब आप हमारी बातों को अनसुना करते हैं तो हमें लगता है कि आप राजनीति या किसी पार्टी विशेष से प्रेरित होकर इस तरह की घोषणाएं कर रहे हैं, इसके बावजूद हम चुनाव आयोग के इस फैसले को लेकर तैयार हैं।

भाजपा संवैधानिक व्यवस्था से बेइमानी करना सिखा रही : नाना पटोले

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, सीट बंटवारे की बैठक अभी पूरी तरह से पूरी नहीं की गई है। 288 सीटों पर महा विकास अघाड़ी चुनाव लड़ेगी। चुनाव को लेकर हमारी पूरी तैयारी है। सात एमएलसी नियुक्त किए जाने पर उन्होंने कहा, यह चुनावी जुमला है। किस प्रकार संवैधानिक व्यवस्था से बेइमानी की जाती है भाजपा यह पूरे देश को सिखा रही है। जब वे सुप्रीम कोर्ट की भी नहीं सुन रहे है तो यह दर्शाता है कि पावर का दुरुपयोग करना भाजपा का काम है।

"हम तैयार हैं, पांच जनवरी तक विधानसभा की मियाद पूरी हो रही है तो उससे से पहले यहां चुनाव होना था लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा घबरा गई है। हेमंत सोरेन, सोरेन डायनेस्टी के आखिरी युवराज साबित होंगे। जेएमएम की करारी हार होगी। हम चुनाव के लिए तैयार हैं और वे लोग चुनाव के लिए तैयार नहीं हैं जिन्हें हार का डर सता रहा है। संविधान में दिए गए प्रावधान के अनुसार चुनाव आयोग मियाद पूरी होने के 6 महीने पहले तक चुनाव करा सकती है।

प्रतुल शाहदेव, भाजपा प्रवक्ता, झारखंड

राजनीतिक दबाव के चलते की घोषणा : आनंद दुबे

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि राजनीतिक दबाव के चलते आज चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस है। झारखंड और महाराष्ट्र चुनाव हरियाणा और जम्मू कश्मीर के साथ ही होने चाहिए थे। वहीं झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा होने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि जिस तरह से हरियाणा में निष्पक्ष चुनाव नहीं हुआ और लोकतंत्र की हत्या हुई। तो इस तरह झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव में न हो।

बीजेपी नेताओं को पहले ही मिल गई थी जानकारी : मनोज पांडेय

झारखंड में चुनाव की तारीखों का एलान से पहले ही राज्य में जुबानी जंग तेज हो गई हैं। एक तरफ सत्ताधारी दल जेएमएम ने भाजपा पर आरोप लगाया है, वहीं भाजपा ने सरकार पर निशाना साधा है। दरअसल झारखंड मुक्ति मोर्चा का आरोप है कि चुनाव आयोग की तरफ से की जाने वाली चुनाव तारीखों के एलान की जानकारी भाजपा नेताओं को कल ही मिल गई थी।

चुनावी फायदे के लिए करवाया हिंसा : अखिलेश

» बोले- दिखावटी क़ानून-व्यवस्था से नहीं सुधरेंगे हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहा है। इस बीच नेताओं ने भी जनता से शांति बनाने की अपील की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने एक्स पर जनता से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। वहीं अखिलेश यादव ने बहराइच हिंसा पर राज्य सरक ार व सीएम योगी पर जमकर हमला बोला। सपा प्रमुख ने कहा कि चुनाव का आना और साम्प्रदायिक माहौल का बिगड़ जाना, ये इत्तफ़ाक़ नहीं है। जनता सब समझ रही है। हार के डर से हिंसा का सहारा लेना किसकी पुरानी रणनीति है, सब जानते हैं। ये उप चुनाव की दस्तक है। दिखावटी क़ानून-व्यवस्था की जगह अगर सरकार सच में पुख़्ता इंतज़ाम करे तो सब सही हो जाएगा लेकिन ऐसा होगा तब ही जब ये सरकार चाहेगी। चुनाव का आना और साम्प्रदायिक माहौल का बिगड़ जाना, ये इत्तफ़ाक़ नहीं है। जनता सब समझ रही है। हार के डर से हिंसा का सहारा लेना किसकी पुरानी रणनीति है, सब जानते हैं। ये उप चुनाव की दस्तक है। दिखावटी क़ानून-व्यवस्था की जगह अगर सरकार सच में पुख़्ता इंतज़ाम करे तो सब सही हो जाएगा। बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां पर जिला प्रशासन व सरकार फेल होती है। सभी मामलों में देश व प्रदेश की सरकार फेल हो चुकी है। राज धर्म का

सीएम योगी दें जवाब : पाल

वाराणसी पहुंचे समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने योगी सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी सरकार कभी बुलडोजर की बात तो कभी एक देश एक इलेक्शन की और कभी वक्फ बोर्ड की बात करती है। लेकिन, जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों से उससे कोई मतलब नहीं है. नौजवानों को इस समय रोजगार की सबसे ज्यादा आवश्यकता है और यह सबसे बड़ा मुद्दा है. लेकिन प्रदेश के जरूरी मुद्दों से सरकार ध्यान भटका रही है। समाजवादी पार्टी हमेशा से भाईचारा और सबके हक की आवाज उठाती रही है और हमेशा उठाएग। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बहराइच में जो कुछ भी घटना हुई है उसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी को जवाब देने के लिए खुद मुखर होकर सामने आना चाहिए।

मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आनंदित रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यह सरकार की नैतिक जिम्मेदारी होती है और उसमें यह सरकार विफल रही है। ये सरकार तो केवल जनता को डरा रही है कि बुलडोजर चला देंगे। कानून और नियम की परिधि में जो आए उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 अक्तूबर को संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन आयोजित कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इसी की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे हैं।

जनता को विश्वास में लें सीएम : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं. मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री जी एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेते हुए, जनता को विश्वास में लें और हिंसा रोकें. दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो, जनता से मेरी करबद्ध अपील है कि कृपया कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें।

सौहार्द कायम करने में योगदान दें : अवधेश

बहराइच मे हुई घटना पर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, ये बहुत ही दुखद है इस मौके पर सभी से निवेदन है कि सभी सौहार्द कायम करने में और आगे कोई घटना न हो तथा शांति कायम करने में अपना हर तरह से योगदान दे। ये घटना जांच का विषय है।

दंगाइयों को संरक्षण देने वाले फिर हो गए सक्रिय : केशव

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी मामले पर बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले एक बार फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा। प्रदेश के उज्जवल भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाएगी और पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। सभी नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करता हूं।

जनता को अपनी हठधर्मिता की भेंट न चढ़ाएं सीएम : चंद्रशेखर

बहराइच मामले में नगीना सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रशासनिक लापरवाही के कारण पूरा जनपद आग की लपेटों में जला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आप जिस पद पर हैं, उस पद की संवैधानिक गरिमा होती है। मेरा आपसे निवेदन है कि आम जनता को अपनी हठधर्मिता की भेंट न चढ़ाएँ। दंगों में संलिप्त दोषियों पर कड़ी कार्यवाही के साथ-साथ जन साधारण में विश्वास व सुरक्षा बहाली की जाए।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो : संजय निषाद

बहराइच हिंसा पर यूपी के मंत्री संजय निषाद ने कहा,मैं इस घटना की निंदा करता हूं. दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. हमें समझना चाहिए कि जो पार्टियां एक धर्म विशेष को संरक्षण दे रही हैं, उन्हें उनके समर्थन में बयान कैसे जारी करना चाहिए. जो लोग उन्हें बचा रहे हैं, जो हिंसा कर रहे हैं, उन्हें सवालों का जवाब देना चाहिए, ऐसी घटनाएं पिछली सरकारों के शासन में भी हुई हैं कार्रवाई की जा रही है।

आम आदमी पार्टी आम लोगों की एक सोच है : केजरीवाल

» पूर्व सरकारों पर साधा निशाना, आप नेता ने डोडा में की रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। आप संयोजक व दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, आपके वोट ने हमारे उम्मीदवार को जीत दिलाई है और डोडा के लोगों ने एक नई राजनीति का बीज बोया है। यह एक ऐतिहासिक काम है। उन्होंने महराज मलिक के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विधायक बनने में 12 साल लगे, जबकि उन्हें दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने में 14 साल लगे।

उन्होंने राजनीति के संघर्ष को लंबा बताते हुए कहा, यह एक कठिन यात्रा है। लोगों ने हमारे उम्मीदवार को धर्म के नाम पर नहीं, बल्कि विकास के मुद्दों पर वोट दिया। उन्होंने अच्छे

स्कूल, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वोट दिया। केजरीवाल ने कहा कि डोडा में न तो अच्छे सरकारी स्कूल हैं और न ही अस्पताल। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने क्या किया है, यदि वे इन आवश्यक सुविधाओं को प्रदान नहीं कर पाए तो करोड़ों रुपये का खर्च कहां किया गया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आम आदमी पार्टी केवल एक राजनीतिक संस्था नहीं, बल्कि एक सोच है। आम लोग अपने बच्चों के लिए रोजगार, जीरो बिजली का बिल, अच्छे डॉक्टर और स्कूल चाहते हैं।

बसपा अपनी रणनीति में करेगी बदलाव

» सोशल मीडिया का प्रयोग बढ़ेगा हर जिले में बनेगा आईटी सेल

» नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अपनी कुछ रणनितियों में बदलाव करेगी। पार्टी अब हर जिले में अपना आईटी सेल गठित करने जा रही है, जिसके बाद विपक्षी दलों के नेताओं के हमलों का सोशल मीडिया पर जवाब दिया जा सकेगा। पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने इसका निर्देश सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और जिलाध्यक्षों को दिया है।

बसपा में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने के बाद आकाश आनंद ने युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए कई नई पहल की थीं। जिसमें पार्टी की यू-ट्यूब और सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर उपस्थिति के साथ पार्टी की वेबसाइट को नया कलेवर देना शामिल था। इसके अलावा उन्होंने युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए मिस कॉल सेवा भी शुरू की थी। अब पार्टी को विस्तार देने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर उसकी सक्रियता बढ़ाने के मकसद से हर जिले में आईटी सेल का गठन करने का निर्देश दिया है। इसकी मॉनिटरिंग आकाश आनंद खुद करेंगे।

विधायक से मारपीट के आरोप में चार कार्यकर्ता भाजपा से बर्खास्त

लखीमपुर के भाजपा विधायक योगेश वर्मा के साथ मारपीट करने वाले पार्टी के चार कार्यकर्ताओं पर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से बर्खास्त कर दिया है। इनमें अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह, पार्टी के सक्रिय सदस्य अवधेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की पूर्व सह संयोजक ज्योति शुक्ला शामिल हैं।

महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले की अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को

» गवाह का बयान हुआ दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में एक गवाह का बयान दर्ज किया।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने गवाह का बयान दर्ज किया। साथ ही, मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 19 अक्तूबर की तारीख तय की गई है। अदालत ने 10 मई को छह महिला पहलवानों की शिकायत पर दर्ज मामले में सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और

अन्य आरोप तय करने का आदेश दिया था। कहा था कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। इससे पहले कोर्ट ने सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354 ए और 506 के तहत आरोप तय करने का निर्देश दिया था। सिंह के खुद को निर्दोष बताने के बाद मजिस्ट्रेट ने 21 मई को आरोप तय किए थे।

हरियाणा से लेकर मप्र तक सियासी उठापटक!

- भाजपा, कांग्रेस दोनों में गुटबाजी जोरों पर
- मध्य प्रदेश में पटवारी व कमलनाथ पर रार
- कैलाश विजयवर्गीय राज्य छोड़ अन्य जगहों पर जमे
- अफरशाही को लेकर भी नेताओं में रोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में इस समय राजनीतिक उठापटक चल रही है। दो राज्यों में चुनाव नतीजों के बाद सियासी दलों में अपने-अपने रणनीतिक विचारों में मंथन चल रही है तो कई राज्यों में नेता अपनी ही पार्टी की सरकारों से परेशान हैं। तो कही सियासी दलों के कार्यकर्ता अपने ही शीर्ष नेताओं से नाराज बताए जा रहे है। ये समस्या केवल कांग्रेस ही नहीं बीजेपी समेत कई क्षेत्रीय दलों में बनी हुई है। हरियाणा में हार के बाद जहां कांग्रेस में भूपिंदी हुड्डा के खिलाफ नाराजगी बाहर आ रही है बीजेपी में सीमए बनने की महत्वाकांक्षा कई नेताओं में जाग रही है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी परेशान हैं। पीसीसी में कोई है जो कमलनाथ का मुखबिर बना हुआ है। भाजपा विधायक अफसरशाही से नाराज बताए जा रहे हैं। प्रदेश के कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय क्या नाराज हैं। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की विधायकों की अति मुखरता ने सत्ता और संगठन दोनों को परेशान कर रखा है। पार्टी के आधा दर्जन से ज्यादा विधायक इन दिनों जिस अंदाज में पेश आ रहे हैं, उससे सीधा संदेश यह जा रहा है मानो उनकी कहीं सुनी नहीं जा रही है और नौकरशाही जैसा चाह रही है, वैसा कर रही है। सत्ता और संगठन की चिंता इसलिए भी बड़ी हुई है कि जो विधायक मुखर हैं, उनमें से कुछ बहुत वरिष्ठ हैं और पूर्व में भी मंत्री रह चुके हैं। ये विधायक अपना दर्द पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बयां करने में भी परहेज नहीं कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि ये नेता भी इनकी बात इस कान से सुनने और उस कान से निकालने से ज्यादा कुछ कर नहीं पा रहे हैं।

मध्यप्रदेश में कम महाराष्ट्र में ज्यादा नजर आ रहे हैं विजयवर्गीय

भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच इस बात की बड़ी चर्चा है कि कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इन दिनों मध्यप्रदेश से ज्यादा समय आखिर महाराष्ट्र में क्यों दे रहे हैं। बातें तरह-तरह की हो रही हैं और कयास भी अलग-अलग लगाए जा रहे हैं। दबे स्वरों में इसे विजयवर्गीय की सत्ता के शीर्ष पुरुष से नाराजगी बताया जा रहा है। विजयवर्गीय के बारे में यह ख्यात है कि उनकी दोस्ती भी बहुत मजबूत रहती है और जब किसी से पटती नहीं है तो वे उसे यह अहसास कराने में भी पीछे नहीं रहते हैं कि अब अपने रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों मध्यप्रदेश में दिख रहा है।

हरियाणा के नतीजे भी चर्चा के विषय

हरियाणा के नतीजे के बाद दिल्ली में एक वरिष्ठ पत्रकार राहुल गांधी के खास माने जाने वाले पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल पर जमकर बरसे। यहां तक तो ठीक था लेकिन मध्य प्रदेश के कांग्रेसियों ने ही इस वीडियो को जिस अंदाज में वायरल किया उसने जरूर दिल्ली में बैठकर मध्य प्रदेश की राजनीति करने वालों को चौंका दिया। वैसे वेणुगोपाल के खास माने जाने वाले मध्य प्रदेश के कुछ नेता रफुरंगाई में लग गए हैं। भाजपा विधायक बृज बिहारी यानी गुड्डा पटेरिया के तीखे तेवर तो मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के आग्रह के बाद ठंडे पड़ गए, लेकिन इस विवाद पर जो तेवर पार्टी के ही वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने दिखाएं उसे ठंडा करने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पाया। पंडित जी ने एक तीर से दो निशाने साध दिए।

जासूसी ने परेशान कर रखा है पटवारी को

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी इस बात से बड़े परेशान हैं कि आखिर वे कौन लोग हैं, जो पीसीसी की पल-पल की खबर उनके खांटी विरोधी और इन दिनों कांग्रेस से बाहर चल रहे अजय चौरड़िया तक पहुंचा देते हैं। पिछले दिनों पीसीसी से जुड़े मुद्दे एक के बाद एक उठाते हुए चौरड़िया ने जिस अंदाज में पटवारी को निशाने पर लिया, उससे प्रदेश अध्यक्ष का बेचैन होना स्वाभाविक है। यही नहीं 9 श्यामला हिल्स यानि कमलनाथ के सरकारी निवास तक भी पीसीसी से जुड़ी पल-पल की खबरें पहुंच रही हैं। जासूसी कौन कर रहा है, इसका पता तो अभी तक नहीं चल पाया, लेकिन इस शंका के चलते कई नेताओं के पर कतरे जा चुके हैं। राकेश गुप्ता और संतोष कुमार सिंह में से किसी एक को पुलिस महकमें की खुफिया शाखा का प्रभार सौंपे जाने की अटकलों के बीच बेहद काबिल अफसर योगेश देशमुख एडीजी इंटेलीजेंस बना दिए गए। देशमुख का

उज्जैन कनेक्शन भी बहुत मजबूत माना जाता है, लेकिन गुप्ता और सिंह की तुलना में कमतर। दरअसल, इस अहम पद पर मुख्यमंत्री अपने किसी बेहद भरोसेमंद अफसर को तैनात करना चाहते थे और इसी के चलते गुप्ता और सिंह के नाम चल पड़े थे। माना यह जा रहा है कि गुप्ता इस पद के इच्छुक नहीं थे, सिंह की एडीजी पद पर पदोन्नति में कुछ महीने शेष हैं और इसी बीच कुछ आला अफसरों की बात मानते हुए मुख्यमंत्री ने यह जिम्मेदारी देशमुख को सौंप दी। इस शाखा में कामकाज का खास तजुर्बा रखने वाले कल अफसर के मुताबिक भले ही देर से हुआ पर सही फैसला है।

अफरशाही को लेकर भी माथा-पच्ची

दिल्ली से आए अनुराग जैन के मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव बनने के बाद अब चर्चा नए डीजीपी को लेकर शुरू हो गई। साल खत्म होने के पहले डीजीपी सुधीर सक्सेना सेवानिवृत्त हो जाएंगे। उनका स्थान कौन लेगा, इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। अरविंद कुमार और अजय शर्मा के साथ ही कुछ और नाम भी चर्चा में है, पर जैन के मुख्य सचिव बनने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में अजय शर्मा का नाम है। कामकाज पर पकड़ के साथ ही मैनेजमेंट के मास्टर शर्मा अभी ईओडब्ल्यू के डीजी हैं और पुलिस महकमे के लगभग हर प्रमुख पद पर काम कर चुके हैं। संयोग यह भी है कि बेहद तेजतर्रार और काम के प्रति ईमानदार माने जाने वाले शर्मा उस समय मंदसौर के एसपी रहे, जब अनुराग जैन वहां कलेक्टर थे। पुराने संबंधों का

कुछ तो फायदा मिलेगा यानि जोड़ी फिर जम सकती है। पहले पुलिस अधिकारी और बाद में केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और मुख्यमंत्री रहते हुए कमलनाथ के ओएसडी रह चुके प्रवीण कक्कड़ अब नई भूमिका में हैं। सरकारी कामकाज से उनका पहले ही मोह भंग हो गया था। सामाजिक क्षेत्र में कुछ सक्रियता दिखाने के बाद वे अब लिखने-पढ़ने में रुचि लेने लगे हैं। हाल ही में उनकी पहली पुस्तक %दंड से न्याय तक% का लोकार्पण हुआ। मजेदार बात यह है कि इस कार्यक्रम में इंदौर का हर वह व्यक्ति मौजूद था जो अलग-अलग क्षेत्र में अपना अच्छा-खासा वजूद रखते हैं। इस कार्यक्रम ने कक्कड़ के मजबूत पब्लिक कनेक्शन पर एक बार फिर ठप्पा लगा दिया। चर्चा में बने रहना कक्क ड़ को अच्छे से आता है।

0.18 फीसदी वोट से कांग्रेस ने खोई सत्ता

नौ सीटों पर सबसे कम अंतर से हारे पार्टी प्रत्याशी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्ण बहुमत के साथ हैट्रिक लगाई है। जबकि मात्र 0.18 फीसदी मत से कांग्रेस के पंजे से सत्ता फिसल गई। दरअसल, नौ सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी मामूली अंतर से हारकर दूसरे नंबर पर रहे हैं। इन नौ सीटों पर कुल मिलाकर 22907 मतों का हार का अंतर रहा है जो कुल मतदान का 0.18 फीसदी है। इन सीटों में सात सीट भाजपा और दो इनेलो के खाते में गई हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कुल 2,03,54,350 मतदाता थे। जबकि कुल 1,24,88,689 मतदाताओं ने मतदान किया। भाजपा को 55,48,800 मत और कांग्रेस को 54,30,602 मत मिले, यानी भाजपा को 39.94 फीसदी और कांग्रेस को

39.09 फीसदी वोट मिले। भाजपा ने 48 और कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं। वहीं, इनेलो को दो सीट के साथ 4.14 फीसदी, जजपा को 0.90 फीसदी, आप को 1.79 और बसपा को 1.82 फीसदी मत मिले हैं। उचाना कलां सीट पर कांग्रेस के बागी वीरेंद्र घोघडिया और दिलबाग सिंह ने पार्टी उम्मीदवार बृजेंद्र सिंह का खेल बिगाड़ा है। बृजेंद्र सिंह को भाजपा के देवेंद्र अत्री से 34 वोटों से हार मिली। वीरेंद्र को 31456 वोट मिले थे। यहां से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पांचवें स्थान पर रहे थे। इसी तरह डबवाली सीट से कांग्रेस के अमित सिहाग को 610 वोट से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इनेलो के आदित्य देवीलाल ने हराया। दादरी सीट से भाजपा के पूर्व जेलर सुनील सांगवान ने मनीषा सांगवान को 1957 वोट से मात दी। असंध सीट से भाजपा के योगिंदर सिंह राणा ने शमशेर सिंह गोगी को 2306 वोटों से हराया है। होडल सीट से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भाजपा के हरिंदर सिंह से 2595 वोट से मात खा गए। महेंद्रगढ़ सीट से भाजपा के कंवर सिंह ने कांग्रेस के राव दान सिंह को 2648 वोट से हराया। जबकि रानियां सीट पर इनेलो के अर्जुन चौटाला ने कांग्रेस के सर्वमित्र कंबोज को 4191वोट से हराकर जीत दर्ज की। यहां से 2019 तक कांग्रेस में रहने वाले आजाद प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला को 36401 वोट मिले हैं। वहीं, घरौंडा सीट से हरविंदर कल्यान ने कांग्रेस के वरिंदर सिंह राठौर को 4531 वोटों से हराया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सामाजिक ताने-बाने पर प्रहार अनुचित!

यूपी के बहराईच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के बाद मचे बवाल के बाद से प्रदेश में हाईअलर्ट जैसा माहौल बन गया है। दरअसल, दुर्गा विसर्जन के दौरान दो गुटों में किसी बात को लेकर तनानती हो गयी। एक गुट ने दूसरे गुट के युवक को जान से मार दिया । उसके बाद से दूसरे गुट के लोग नाराज हो गये और जनपद में इतना बवाल किया जिले में कर्फ्यू जैसे हालात हो गए। प्रथम दृष्टया जो देखने में आ रहा उसमें पुलिस प्रशासन की कमी नजर आ रही है। पुलिस को जब सवेंदनशीलता की जानकारी थी तो उसे इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए था। सरकार को मूर्ति विसर्जन के समय सुरक्षा का पूरे इंतजाम करने चाहिए था। कुल मिलाकर ऐसे माहौल से सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचता है और इसपर प्रहार अनुचित है। इस घटना के बाद यूपी की योगी सरकार पर पूरा विपक्ष नाराज है। कांग्रेस, आप से लेकर सभी पार्टियों के नेताओं ने बीजेपी पर भी हमला बोला है। आरोप प्रत्यारोप तो लगते रहेंगे पर कुल मिलाकर यह घटना बहुत निदंनीय है। राजनीतिक दलों के साथ अब आमजन को भी चाहिए कि वह भड़काऊ व विवादस्पद बयानों में न फंसे।

ये कुछ लोगों की साजिश में फंसकर अपने मित्रों व दोस्तो को परेशान न करें। दरअसल, उत्तर प्रदेश स्थित बहराइच में दुर्गा जी की प्रतिमा के विसर्जन के दौरान हुई हिंसा में अभी तक 1 की मौत हो चुकी है। पुलिस ने मामले को संभालने की कोशिश की। दोषी दोनों पक्षों के लोग हैं। जिन्होंने विसर्जन यात्रा के दौरान पत्थरबाजी की हालांकि कुद लोगों का कहना है कि पत्थरबाजी के लिए दूसरे गुट द्वारा उकसाया गया जो भी सच्चाई हो वह तो जांच से पता चलेगा। हत्या के बाद आगजनी व बवाल करना भी कतई गलत है इससे पूरे राज्य का माहौल खराब होता है। आम आदमी को डर के साये में रहना पड़ता है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनुचित है। इन सबके इतर राजनैतिक दलों को भी चाहिए कि वह ऐसे बयान न दे ताकि समाज का सौहाद्र बिगड़े। बहराइच मामले में विपक्ष ने कहा कि मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रशासनिक लापरवाही के कारण पूरा जनपद आग की लपेटों में जला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन है कि आम जनता को अपनी हठधर्मिता की भेंट न चढ़ाएं। राज्य प्रशासन से अपील किया कि त्वरित एक्शन लेते हुए, जनता को विश्वास में लें और हिंसा रोका जाए, दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। नेताओं ने जनता से करबद्ध अपील कि कहा कि कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। दंगों में संलिप्त दोषियों पर कड़ी कार्यवाही के साथ-साथ जन साधारण में विश्वास व सुरक्षा बहाली की जाए। वही सरकार ने कहा की दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कुल मिलाकर सामाजिक स्तर के साथ-साथ राजनैतिक स्तर पर पर भी यह ध्यान देने की जरूरत है कि देश में माहौल शांत रहे और सभी मिलकर देश को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित हों।

सरकार को मूर्ति विसर्जन के समय सुरक्षा का पूरे इंतजाम करने चाहिए था। कुल मिलाकर ऐसे माहौल से सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचता है और इसपर प्रहार अनुचित है। इस घटना के बाद यूपी की योगी सरकार पर पूरा विपक्ष नाराज है। कांग्रेस, आप से लेकर सभी पार्टियों के नेताओं ने बीजेपी पर भी हमला बोला है। आरोप प्रत्यारोप तो लगते रहेंगे पर कुल मिलाकर यह घटना बहुत निदंनीय है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई पर नियंत्रण रखने की चुनौती बढ़ी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक की क्रेडिट पॉलिसी कमेटी बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से निर्मित वैश्विक संकट से भारत में महंगाई बढ़ने की जोखिम के मद्देनजर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ये लगातार 10वीं बार है जबकि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढ़ने पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। इन दिनों ईरान और इस्त्राइल सहित पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने से भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं।

ये चुनौतियां कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा इस्त्राइल और ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पड़ना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढ़ने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना कुछ निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर, 2024 का पहला सप्ताह 4.5 फीसदी के नुकसान के साथ दो साल की सबसे बड़ी गिरावट का सप्ताह रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीद का भी रुख कर रहे हैं। इससे भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ने लगी है।

अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढ़ने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढ़ने का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे

में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर 80 फीसदी आयात करने वाले भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा। आशंका है कि ईरान और इस्त्राइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चैन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इस्त्राइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ने पर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे सकता है। लेकिन भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अधिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 27 सितंबर को भारत के पास रिकॉर्ड स्तर पर 704 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है।

फिर भी भारत को महंगाई पर सतर्क निगाहें रखनी होंगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में मामूली बढ़कर 3.65 प्रतिशत रही। यह आरबीआई द्वारा निर्धारित लक्ष्य के दायरे में है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2024 में 3.6 प्रतिशत थी। अर्थव्यवस्था को मजूबती मिलते हुए दिखाई दी है। अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढ़ना होगा।

भारतीय अहसासों में सदैव रहेंगे अनमोल रतन

अरुण नैथानी

जब बृहस्पतिवार की सुबह देश ने आंखें खोली तो देशवासियों को शॉक लगा कि उन्होंने अपना एक अनमोल रत्न खो दिया है। यूं तो देर रात ही सोशल मीडिया पर मानवीय सरोकारों के विख्यात उद्योगपति रतन नवल टाटा के निधन की खबरें फैलनी शुरू हो गई थी। हर किसी को लगा जैसे कोई अपना हमें छोड़ गया। रतन टाटा को भारतीय समाज में दरियादिली, जीवन मूल्यों की प्रतिबद्धता व उद्योग जगत में नैतिकता के लिये जाना जाता है। टाटा के उत्पादों व सेवाओं को भरोसे का प्रतीक कहा जाता है। तेजी से संवेदनहीन होते समाज में कम ही होता है कि आम आदमी किसी राजनेता या उद्योगपति से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। लोग उनके अवसान पर दिल से दुखी होते देखे गए। व्यक्ति की विश्वसनीयता, सामाजिक प्रतिबद्धता, कथनी-करनी में साम्य और कारोबार में नैतिक मूल्यों की समाज आज भी कद्र करता है।

देश में कई पीढ़ियां टाटा परिवार के आदर्शों से प्रेरित हुईं। उनकी उद्यमशीलता का अनुकरण करते हुए कई उद्यमी स्थापित हुए। रतन टाटा भारतीय समाज के लिये एक आदर्श पुरुष रहे हैं। उनके प्रेरक विचार अक्सर दोहराए जाते हैं। भरोसे का आलम यह है कि लोग अक्सर मजाक में कह दिया करते हैं कि हमने टाटा का नमक खाया है। बेहद सादगी की जीवनशैली अपनाने वाले रतन टाटा दिखावे से हमेशा कोसों दूर रहे। आमतौर पर मंत्री, नौकरशाह और धनाढ्य अपने आगे-पीछे सहयोगियों-कर्मचारियों का लाव-लश्कर लेकर चलते हैं, वो रतन टाटा के साथ कभी नहीं रहा। आम आदमी की पीड़ा हमेशा उनके मन में रही। उन्होंने कहा था कि एक बार बारिश में भीगकर स्कूटर पर सफर करते परिवार को देखकर उनके मन में विचार आया कि देश में एक सस्ती कार बनायी जाए, जिसे आम आदमी खरीद सके। उन्होंने नैनो कार बनायी भी, लेकिन उसे सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। इस प्रसंग से रतन टाटा की सामाजिक प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का पता चलता है।

पहले सोमवार को सोशल मीडिया पर खबर आई थी कि रतन टाटा ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए हैं। तब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके कहा था कि मैं ठीक हूं और ज्यादा उम्र के कारण रूटीन चैकअप के लिये अस्पताल गया था। लेकिन बुधवार की रात इस 86 वर्षीय अनमोल रतन ने इस नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। हर किसी को लगा कि अपना कोई सगा हमारे बीच से चला गया। देशवासियों के इस आत्मीय लगाव की वजह यह भी रही है कि अकूत संपदा के मालिक होने के बावजूद वे सहज-सरल जीवन जीते रहे। कभी उनके मुंह से किसी के प्रति कटुता के शब्द नहीं सुने गए। वे कहते रहे कि धन व शक्ति मेरे मुख्य लक्ष्य कभी नहीं रहे। उनका आदर्श था कि मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही बनाता हूं। अमेरिका में अच्छी नौकरी और व्यवस्थित जीवन जी रहे रतन टाटा सब कुछ छोड़कर भारत लौटे। यहां तक कि इस निर्णय से निजी जीवन गहरे तक बाधित हुआ। जिसके बाद वे जीवनपर्यंत अविवाहित रहे। उनका निजी जीवन दस वर्ष की उम्र में माता-पिता के अलगाव की वजह से गहरे तक प्रभावित हुआ। उनकी दादी ने उनका लालन-पालन किया। पिता ने दूसरा विवाह किया जब ये 18 साल की उम्र में थे। कालांतर में मां ने भी दूसरा विवाह किया। लेकिन परिवार की इस असामान्य स्थिति का उनके व्यवहार व जीवन के नजरिये पर असर नहीं पड़ा। वे समाज के प्रति गहरे तक संवेदनशील रहे।

शुरुआती दिनों में रतन टाटा अपने सरनेम को लेकर असहज रहते थे। जब वे अमेरिका में पढ़ रहे तो खुश थे कि उनको ज्यादा नहीं पहचाना जाता। हालांकि, उन दिनों आरबीआई के सख्त नियमों के चलते विदेशों में विदेशी मुद्रा कम खर्च करने की अनुमति थी, अत: खर्चे के लिये उन्हें कम ही पैसे मिल पाते थे। पिता ने भी देश के कानून का उल्लंघन करके उन्हें ब्लैक में डॉलर उपलब्ध नहीं कराये। तब पैसे महीने से पहले खत्म होने पर उन्हें अमेरिका में छोटे-मोटे काम करने पड़ते थे। जिसमें दोस्तों से उधार लेने से लेकर बर्तन धोना भी शामिल था। उन्होंने कॉर्नेल वि.वि. से स्थापत्य कला व इंजीनियरिंग में डिग्री ली। ये रतन टाटा की मेहनत-लगन के जुनून की बानगी थी कि उन्होंने एक श्रमिक की तरह जमशेदपुर में टाटा स्टील में काम की शुरुआत की। फिर उन्हें प्रोजेक्ट मैनेजर बनाया गया। कालांतर में प्रबंध निदेशक के सहयोगी बने। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा उनकी मेहनत व लगन से खासे प्रभावित हुए और उन्हें रुग्ण कंपनियों को संवारने का दायित्व दिया। जिसमें नेल्को की जिम्मेदारी भी शामिल थी, जो बाद में मुनाफा उगलने लगी।

इस तरह उनके टाटा उद्योग का प्रमुख बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उनकी सादगी व जीवन मूल्यों का आलम ये था कि जब वे टाटा सन्स के प्रमुख बने तो जेआरडी के कमरे में बैठने के बजाय अपने बनाये साधारण कमरे में बैठे। उन्होंने कभी छोटे कर्मचारी व बड़े अधिकारी के आत्मसम्मान के बीच फर्क नहीं किया। कालांतर में 86 वर्ष की अवस्था में जेआरडी टाटा द्वारा 1991 में रतन टाटा को टाटा समूह का अध्यक्ष बनाये जाने के बाद समूह की समृद्धि व साख में आशातीत वृद्धि हुई। वर्ष 2000 में उन्होंने टाटा समूह से दुगने बड़े ब्रिटिश टेटली ब्रांड को खरीदा। फिर यूरोप की दूसरी बड़ी इस्पात निर्माता कंपनी कोरस का अधिग्रहण किया। वर्ष 1998 में टाटा मोटर्स ने भारत में डिजाइन की गई पहली कार 'इंडिका' बाजार में उतारी, जिसे बाजार में सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला।

सर्वाइकल की समस्या में ये योगासन देंगे राहत

डिजिटल युग आने के बाद से लोगों के जीवन में कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल बढ़ गया है। वहीं कोविड काल और लॉकडाउन के दौरान वर्क फॉम होम कल्चर बढ़ने से भी ऑफिस कर्मचारी लगातार कंप्यूटर पर काम करने लगे। ऐसे में लोगों में सर्वाइकल की समस्याएं बढ़ने लगी है। लगातार घंटों तक डेस्क वर्क करने या कंप्यूटर पर काम करने से गर्दन और बैक में दर्द होने लगता है। वहीं जीवनशैली से जुड़ी कुछ आदतों के कारण सर्वाइकल की समस्या से कम उम्र के लोग भी ग्रसित होने लगे हैं। सर्वाइकल की समस्या में गर्दन के पिछले हिस्से में दर्द होता है। कंप्यूटर पर काम करने वाले लोग झुककर बैठते हैं या लगातार गर्दन झुकाए रहते हैं। जिसके कारण गर्दन दर्द होने के साथ ही हाथ पैर और पीठ व कमर में भी दर्द बढ़ जाता है, जो सामान्य जीवन के कामकाज में बाधा बनता है। सर्वाइकल की समस्या से राहत पाने के लिए योगासन एक लाभकारी उपाय है। कुछ योगासन के नियमित अभ्यास से सर्वाइकल से समस्या कम हो सकती है।

धनुरासन

गर्दन और शरीर दर्द की समस्या से राहत पाने के लिए धनुरासन लाभकारी है। खासकर महिलाओं को धनुरासन का अभ्यास करना चाहिए। महिलाओं के मासिक धर्म संबंधी विकृतियों को भी धनुरासन दूर करता है। इस योगासन से मांसपेशियों का अच्छा खिंचाव होता है, जिससे पेट की चर्बी भी कम होती है। धनुरासन करने के लिए पेट के बल लेट कर अपने घुटनों को मोड़े। टखनों को हथेलियों से पकड़ते हुए अपने पैरों और बाह को अपनी क्षमता के अनुसार ऊपर उठाएं। ऊपर देखते हुए कुछ देर इसी अवस्था में रहें। बाद में सामान्य अवस्था में आ जाएं। धनुरासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर चटाई बिछाकर मुंह के बल या पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपने दोनों हाथों को बगल से सटाकर पूरे शरीर के स्नायुओं को बिल्कुल ढीला छोड़ दें। इसके बाद अपनी दोनों एड़ी व पंजों को आपस में मिलाते हुए व घुटनों के बीच फासला रखते हुए पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाते हुए सिर की तरफ मोड़ें तथा दोनों पैरों को एड़ी के पास से दोनों हाथों से पकड़ लें। हाथों पर जोर देकर पैरों को खींचते हुए अपने सिर, छाती तथा जांघों को जितना सम्भव हो उतना ऊपर की ओर उठाने का प्रयास करें।

मत्स्यासन योग

सर्वाइकल की समस्या में मत्स्यासन योगाभ्यास काफी असरदार होता है। मत्स्यासन का अभ्यास गर्दन और रीढ़ की हड्डी के लिए फायदेमंद माना जाता है। थायराइड होने पर भी मत्स्यासन लाभदायक है। मत्स्यासन योगाभ्यास करने के लिए पीठ के बल लेटकर बाहों को शरीर के नीचे मोड़ें। फिर सिर और छाती को ऊपर उठाते हुए सांस लें। अब पीठ को झुकाते हुए सिर को जमीन पर रखें और कोहनियों से पूरे शरीर का संतुलन बनाएं। सांस अंदर बाहर छोड़ें। बाद में उसी स्थिति में आ जाएं।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार का अर्थ ऐसे आसन से है, जिसमें सूर्य को नमस्कार करना हो। सूर्य नमस्कार में 12 अलग अलग योगासनों का अभ्यास किया जाता है। जितने अधिक सूर्य नमस्कार के आसन बिना रुके कर सकते हैं, उतना शरीर को लाभ मिलता है। सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास गर्दन की अकड़न और रीढ़ के दर्द की समस्या को कम कर सकता है। सूर्य नमस्कार से वजन नियंत्रित रहता है और शरीर को स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से रोज करीब 13-17 कैलोरी बर्न की जा सकती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। सूर्य नमस्कार के साथ अच्छी डाइट और बेहतर लाइफस्टाइल को फॉलो किया जाए, तो आपको मनमुताबिक रिजल्ट मिल सकता है। अगर आप योगाभ्यास की शुरुआत कर रहे हैं, तो शुरू में प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के 5-10 चक्र का अभ्यास करना चाहिए। धीरे-धीरे आप इस प्रैक्टिस को बढ़ाते जाएं और इससे आपको फायदे मिलना शुरू हो जाएंगे। कई स्टडी में भी सूर्य नमस्कार के फायदों पर मुहर लग चुकी है। हालांकि सूर्य नमस्कार करने पर किसी तरह की दिक्कत हो, तो अभ्यास नहीं करना चाहिए।

भुजंगासन योग

भुजंगासन का अभ्यास गर्दन और रीढ़ के लिए फायदेमंद होता है। हार्मोनल असंतुलन की समस्या होने पर भी नियमित रूप से भुजंगासन योग या कोबरा पोज का अभ्यास करना चाहिए है। पीठ और कमर दर्द की समस्याओं के साथ फोजन शोल्डर और छाती की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने के लिए भी भुजंगासन फायदेमंद है। इस योगासन को करने के लिए पेट के बल लेटकर हथेली को कंधों के नीचे रखते हुए सांस लें। फिर शरीर के अगले हिस्सों को ऊपर की ओर उठाते हुए 10-20 सेकंड्स तक इसी स्थिति में रहें। बाद में सामान्य अवस्था में आ जाएं।

हंसना मना है

एक लड़का क्लास में लड़की को रोज चुपके चुपके देखा करता था, एक दिन लड़का बोला-आई लव यू, लड़की- अगर मैं भी आई लव यू बोलूं, तो तुमको कैसा लगेगा? लड़का- जानम, मैं तो खुशी से मर जाऊंगा, लड़की बहुत ही चालाक निकली, तिरछी नजर घुमा के बोली- जा नहीं बोलती, जी ले अपनी जिंदगी?

आर्मी ट्रेनिंग के दौरान, अफसर ने पूछा-'ये हाथ में क्या है?'सुरेश- सर, बन्दुक है! अफसर- ये बन्दुक नहीं! तुम्हारी इज्ज़त है, शान है, ये तुम्हारी मां है मां ! फिर अफसर ने दूसरे सिपाही रमेश से पूछा- ये हाथ में क्या है? रमेश- सर, ये सुरेश की मां है, उसकी इज्ज़त है, उसकी शान है और हमारी मौसी है मौसी..! सर बेहोश...

काफी दिनों बाद सांता पार्क में घूमने गया, घर लौटकर उसने अपनी पत्नी को बताया जानती हो लोग मुझे भगवान मानने लगे हैं, पत्नी- ये तुमने कैसे जाना। संता- जब मैं पार्क में गया था तो वहां पर औरतें मुझे देख कर बोली, हे भगवान!, तू फिर आ गया।

कहानी | क्या आपकी दुकान में ईश्वर मिलेंगे?

आठ साल का एक बच्चा एक रूपये का सिक्का मुट्ठी में लेकर एक दुकान पर जाकर कहा- क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार ने सिक्का नीचे फेंक दिया और बच्चे को निकाल दिया। बच्चा पास की दुकान में जाकर 1 रूपये का सिक्का लेकर चुपचाप खड़ा रहा! ए लड़के! 1 रूपये में तुम क्या चाहते हो? मुझे ईश्वर चाहिए। उसने भी भगा दिया। लेकिन, उस अबोध बालक ने हार नहीं मानी। एक दुकान से दूसरी दुकान, दूसरी से तीसरी, ऐसा करते करते कुल चालीस दुकानों के चक्कर काटने के बाद एक बूढ़े दुकानदार के पास पहुंचा। उसने पूछा- तुम ईश्वर को क्यों खरीदना चाहते हो? क्या करोगे ईश्वर लेकर? पहली बार एक दुकानदार के मुंह से यह प्रश्न सुनकर बच्चे के चेहरे पर आशा की किरणें लहराईं? लगता है इसी दुकान पर ही ईश्वर मिलेंगे! बच्चे ने बड़े उत्साह से उत्तर दिया- इस दुनिया में मां के अलावा मेरा और कोई नहीं है। मेरी मां दिनभर काम करके मेरे लिए खाना लाती है। मेरी मां अब अस्पताल में हैं। अगर मेरी मां मर गई तो मुझे कौन खिलाएगा? डाक्टर ने कहा है कि अब सिर्फ ईश्वर ही तुम्हारी मां को बचा सकते हैं। क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार- हां, मिलेंगे! कितने पैसे हैं तुम्हारे पास? बच्चा- सिर्फ एक रूपए। दुकानदार- कोई दिक्कत नहीं है। एक रूपए में ही ईश्वर मिल सकते हैं। दुकानदार बच्चे के हाथ से एक रूपए लेकर उसने पाया कि एक रूपए में एक गिलास पानी के अलावा बेचने के लिए और कुछ भी नहीं है। उस बच्चे को फिल्टर से एक गिलास पानी भरकर दिया और कहा, यह पानी पिलाने से ही तुम्हारी मां ठीक हो जाएगी। अगले दिन कुछ मेडिकल स्पेशलिस्ट उस अस्पताल में गए। बच्चे की मां का ऑप्रेशन हुआ। और बहुत जल्द ही वह स्वस्थ हो उठीं। डिस्चार्ज के कागज पर अस्पताल का बिल देखकर उस महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन देकर कहा- टेंशन की कोई बात नहीं है। एक वृद्ध सज्जन ने आपके सारे बिल चुका दिए हैं। साथ में एक चिट्ठी भी दी है। महिला चिट्ठी खोलकर पढ़ने लगी, उसमें लिखा था, मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको तो स्वयं ईश्वर ने ही बचाया है.. मैं तो सिर्फ एक ज़रिया हूं। यदि आप धन्यवाद देना ही चाहती हैं तो अपने अबोध बच्चे को दिजिए जो सिर्फ एक रूपए लेकर नासमझों की तरह ईश्वर को ढूंढने निकल पड़ा। उसके मन में यह दृढ़ विश्वास था कि एकमात्र ईश्वर ही आपको बचा सकते है। विश्वास इसी को ही कहते हैं। ईश्वर को ढूंढने के लिए करोड़ों रुपए दान करने की जरूरत नहीं होती, यदि मन में अटूट विश्वास हो तो वे एक रूपए में भी मिल सकते हैं।

7 अंतर खोजें

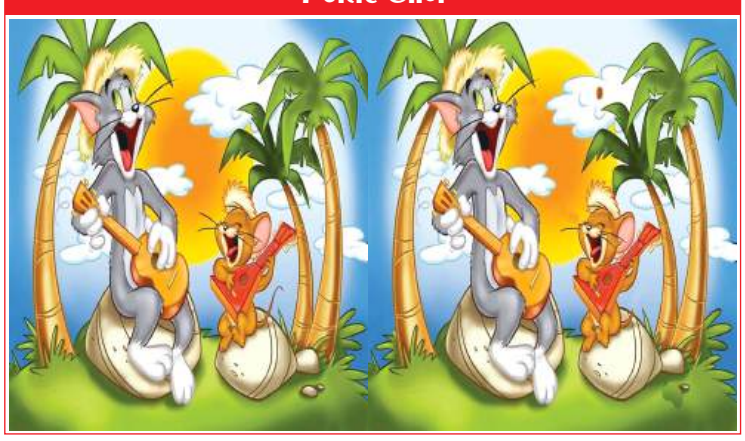

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन

शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कन्या

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बाबा के दोषियों को हो कड़ी सजा : मधुर भण्डारकर

बाबा सिद्दीकी की मुंबई में शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस के मुताबिक, अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला किया। आनन-फानन में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचाने में कामयाब नहीं हो सके। बाबा सिद्दिकी का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। बाबा सिद्दीकी का बॉलीवुड से भी खास कनेक्शन था। उनकी इफ्तार पार्टी में सलमान खान से लेकर शाहरुख खान, संजय दत्त तमाम सितारे आते थे। बाबा की हत्या पर मुधर भंडारकर ने अपराधियों को कठोर सजा की मांग की है। फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने कहा, बाबा सिद्दीकी बहुत हंसमुख थे। मैं हमेशा उनकी इफ्तार पार्टी में आया करता था। उनके साथ जो कुछ भी हुआ वह बहुत अफसोसजनक है। बाबा को मैं बहुत वर्षों से जानता था। वे लोगों से हमेशा मिलते-जुलते थे। यह बहुत दुखद है और हैरान कर देने वाला है। यह यकीन करना मुश्किल है कि बाबा अब हमारे बीच नहीं हैं। मधुर भंडारकर ने आगे कहा, अपराधियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। बाबा के परिवार को और उनके चाहने वालों को यह दुख सहने की शक्ति मिले। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक सलमान के परिवार ने करीबियों और दोस्तों से गुजारिश की है कि अभिनेता से अभी कोई मुलाकात करने न आए। सलमान खान और बाबा सिद्दीकी काफी करीबी दोस्त थे। सलमान हमेशा बाबा की इफ्तार पार्टी में शामिल होते थे। इतना ही नहीं, शाहरुख और सलमान खान के बीच आई दूरियों को भी बाबा सिद्दीकी ने ही दूर कराया था और फिर से दोनों सितारों की दोस्ती कराई थी।

दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज, शहीर और कृति सेनन में दिखा गजब का रोमांस

काजोल, कृति सेनन और शहीर शेख स्टारर दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पहले पोस्टर और टीजर रिलीज किया गया था, जिसने एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी। और अब इसको ट्रेलर को देखने के बाद फैंस और उत्सुक हो गए हैं। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित यह फिल्म ट्विस्ट और टर्न से भरी है। 2-36 मिनट में ही इसने पूरा दिमाग घुमा दिया है। अभी तो पूरी पिक्चर बाकी है मेरे दोस्त।

ट्रेलर की मुख्य झलक शहीर के किरदार, ध्रुव सूद से होती है, जहां पुलिस बनीं काजोल उनसे एक मर्डर के सिलसिले में पूछताछ करती हैं। इस मूवी में कृति सेनन का डबल रोल है, जिसके फेर में शहीर शेख तो फंसे ही। काजोल भी माथा पीटते दिखाई दीं।

इस मूवी को कृति सेनन ने प्रोड्यूस भी किया है और एक्ट भी कर रही हैं। उनका डबल रोल सीता-गीता के माफिक है। जहां एक भोली-भाली लड़की है और दूसरी मानसिक रूप से डिस्टर्ब है। और उसकी वजह से ही शहीर शेख सलाखों के पीछे चले जाते हैं। ध्रुव उनमें से एक पर मानसिक अस्थिरता का आरोप लगाते हैं, और यह आरोप कहानी में रहस्य और रोमांच को और बढ़ाता है। दो पत्ती 25 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। पहाड़ों की वादियों के बीच इस मूवी को फिल्माया गया है। जो क्राइम-थ्रिलर जॉनर पर आधारित है। इसमें शहीर और कृति के कुछ स्टीमी सीन्स भी हैं, जो देखना दिलचस्प होगा। वहीं, ट्रेलर लॉन्च पर काजोल ने बताया कि उन्होंने पुलिस की भूमिका निभाने से पहले अजय देवगन से टिप्स ली थी। क्योंकि ये उनका पहला कॉप रोल है।

तृप्ति डिमरी ने विवियन को बताया अपना पसंदीदा प्रतियोगी

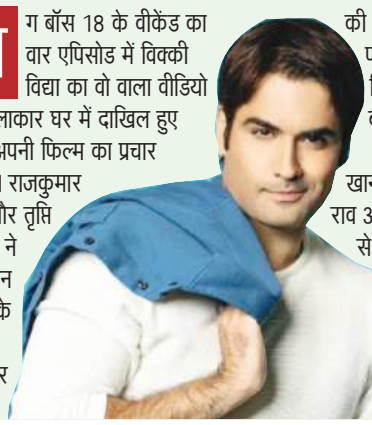

बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार एपिसोड में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के कलाकार घर में दाखिल हुए और अपनी फिल्म का प्रचार किया। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने सलमान खान के साथ जमकर मस्ती की। इस दौरान तृप्ति ने अपने पसंदीदा प्रतियोगियों के अलावा विवियन डीसेना के बारे में भी बात की।

बिग बॉस 18 में सलमान खान से बात करते हुए, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने रियलिटी शो से अपने पसंदीदा प्रतियोगियों के बारे में बताया। राजुमार ने एडवोकेट गुणरत्न सदावर्ते को अपना पसंदीदा प्रतियोगी बताया और कहा कि वह उनकी हंसी के प्रशंसक हैं। दूसरी ओर, तृप्ति ने विवियन डीसेना को अपना पसंदीदा प्रतियोगी बताया और कहा कि वह उनके शो देखते हुए बड़ी हुई हैं।

विवियन और तृप्ति के बीच उम्र का अंतर सिर्फ छह साल है। विवियन ने 2008 में टीवी सीरियल कसम से से अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत की थी। इस शो के बाद, उन्हें प्यार की ये एक कहानी, मधुबाला एक इश्क एक जुनून, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, सिर्फ तुम और उडारियां में देखा गया। जब वह प्यार की ये एक कहानी में दिखाई दिए और अभय की भूमिका निभाई तो वह सभी के दिलों पर छा गए। इस शो ने उन्हें दर्शकों का पसंदीदा बना दिया और उन्हें अपार सफलता मिली।

अजब-गजब | बिहार के इस इलाके में लगता है भूतों का मेला

ब्रह्म बाबा और शिवलिंग पर चढ़ाये गये जल पीने से दूर होती है नकारात्मक ऊर्जा

बिहार और मेलों का रिश्ता बहुत पुराना है। यहां छोटे-बड़े त्योहारों पर मेले लगना आम बात है। लेकिन क्या आपने कभी 'भूतों का मेला' सुना है? शायद नहीं, लेकिन यह सच है। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड के इटहना गांव में नवरात्रि के समय और आम दिनों में भी 'भूतों का मेला' लगता है। मान्यता है कि यहां ब्रह्म बाबा और शिवलिंग पर चढ़ाया गया जल पीने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

शायद आपको यह सुनकर अजीब लगे, लेकिन यह पूरी तरह सच है। बिहार के कई स्थानों पर ऐसे मेले लगते हैं। भोजपुर जिले से लगभग 20 किलोमीटर दूर इटहना गांव में हर अमावस्या को मेला लगता है, लेकिन नवरात्रि के दौरान हर दिन यहां 10,000 से अधिक लोग बिहार के कोने-कोने से आते हैं। यहां आने पर लोगों के विचित्र व्यवहार देखने को मिलते हैं, और सैकड़ों की संख्या में लोग नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा पाने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि सदियों से यहां भूतों का मेला लगता आ रहा है। इस मेले में गया, सीतामढ़ी, नवादा, रोहतास समेत बिहार के विभिन्न जिलों से लोग आते हैं। कई लोग महीने भर यहां रहकर पूजा-पाठ भी करते हैं। ब्रह्म बाबा के पास विशाल बरगद का पेड़ है, जहां महिलाएं-पुरुष जोर-जोर से चिल्लाते, झूमते और रोते हैं। कहा जाता है कि इस मेले का उद्देश्य लोगों को भूत-प्रेत की छाया से मुक्ति दिलाना है। पीड़ितों को यहां परिक्रमा कराई जाती है, और यह मेला हर अमावस्या को लगता है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं, लेकिन यहां की मान्यता के अनुसार, इटहना के बाबा ने इसी स्थान पर समाधि ली थी, और उनकी शक्ति से भूत-प्रेत की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

मीडिया की टीम जब ब्रह्म बाबा स्थान पर पहुंची, तो देखा कि कई महिलाएं जोर-जोर से सिर हिला रही थी, जिन्हें घेरकर कुछ लोग बैठे थे। वैशाली से आई सोमारी देवी ने बताया कि यह महिलाएं प्रेत बाधा से पीड़ित हैं। वहीं शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल को पीने और ब्रह्म बाबा की पूजा से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इटहना गांव में सदियों से इस मेले का आयोजन होता आ रहा है, और लोग यहां महीनों तक रहकर पूजा करते हैं, जिससे उन्हें राहत मिलती है।

यहां हंसने-रोने के बदले में होती है लाखों की कमाई, आप भी बना सकते हैं करियर

दुनिया में हर व्यक्ति कुछ न कुछ काम कर रहा है। कोई घर संभाल रहा है, कोई नौकरी कर रहा है तो कोई बिजनेस। बीते कुछ सालों में नौकरियों के पैटर्न में काफी बदलाव आया है। अब लोग अपनी स्किल्स के दम पर महीने में लाखों रुपये भी आसानी से कमा रहे हैं। सोशल मीडिया के दौर में लोगों को अपनी स्किल्स डिसप्ले करने के लिए बढ़िया प्लेटफॉर्म मिल गया है। अब वह दूसरों को हंसाने-रुलाने और उनके साथ हंसने-रोने तक में अच्छी कमाई कर रहे हैं।

दुनिया में अजब-गजब नौकरियों की बहार है कुछ ऐसे करियर ऑप्शन हैं, जिनके बारे में हमने कभी सुना तो क्या, सोचा तक नहीं होता है। जहां भारत में कॉमिक क्रिएटर्स, कॉमेडी व्लॉगर्स आदि डिमांड में हैं तो वहीं विदेशों में फ्यूनरल डायरेक्टर यानी रोने या उदास दिखने में एक्सपर्ट लोगों की मांग बढ़ गई है। किसी भी परिस्थिति में हंसना-हंसाना, रोना या रुलाना आसान नहीं होता है। जानिए इस अजब-गजब फील्ड में करियर कैसे बना सकते हैं ।

हंसकर या रोकर, बस पैसे कमाओ: इंजीनियर, डॉक्टर, प्रोफेसर, राइटर, बैंकर जैसी ट्रेडिशनल जॉब्स वाले लोग अजब-गजब नौकरियों के बारे में सोच भी नहीं पाते हैं। फूड टेस्टिंग जॉब्स, रिव्यू वर्क जैसे काम-काज भी पुराने हो चुके हैं। जानिए अजब-गजब नौकरियों के क्षेत्र में इन दिनों किन नौकरियों की धूम है।

हंसने के लिए पैसे देने वाली नौकरियां: अगर आपको हंसना-हंसाना पसंद है, आप ऑन स्पॉट जोक्स क्रिएट कर सकते हैं, लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट ला सकते हैं तो ये लाफिंग जॉब्स आपके लिए बेस्ट हैं- 1. लाफ्टर थेरेपिस्ट: लाफ्टर थेरेपी में लोगों को हंसाने पर फोकस किया जाता है। 2. कॉमेडियन: कॉमेडियन अपने जोक्स और एक्सप्रेशंस के जरिए लोगों को हंसाते हैं। 3. हास्य अभिनेता: हास्य अभिनेता फिल्मों और टीवी शो में कॉमिक रोल्स निभाते हैं। 4. स्टैंड-अप कॉमेडियन: स्टैंड-अप कॉमेडियन मंच पर लोगों को हंसाते हैं। ये ऑन स्पॉट कॉमेडी करने में एक्सपर्ट होते हैं। 5. इम्प्रूव कॉमेडियन: इम्प्रूव कॉमेडियन स्थितियों के आधार पर जोक्स बनाते हैं। रोने के लिए पैसे देने वाली नौकरियां: कुछ लोगों के लिए अपने भावों को प्रदर्शित कर पाना आसान नहीं होता है। इस स्थिति में रोने में एक्सपर्ट लोग उनकी मदद कर सकते हैं। 1. **एक्टर:** एक्टर या एक्ट्रेस फिल्मों और टीवी शो में भावनात्मक दृश्यों में रोकर लोगों को अपनी एक्टिंग से प्रभावित करते हैं।

जहां भी भाजपा की सरकार है वहां है अराजकता : संजय सिंह

» बोले- लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद कुछ नहीं कर पा रही भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई में बाबा सिद्दी की हत्या पर बिहार समेत कई राज्यों की राजनीति में सियासी उबाल आ गया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा की सरकार है वहां अराजकता का माहौल है।

भाजपा शासित राज्यों में अपराध चरम पर है, हत्या और लूट की घटनाएं हो रही हैं। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में अपहरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और भजपा की सरकारें कानून व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह से फेल साबित हो रही हैं। बाबा सिद्दीकी को लेकर संजय सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री की हत्या कोई आम घटना नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि बाबा सिद्दीकी सत्ता पक्ष के नेता थे उनको वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली थी फिर उनकी सरेआम हत्या कर दी गई। संजय सिंह ने आगे कहा कि राजधानी दिल्ली में एक जिम के मालिक की हत्या कर दी गई, सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई और पुलिस कुछ नहीं नहीं कर पाई। राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पीएम मोदी और अमित शाह की है फिर भी अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, बाबा सिद्दीकी की हत्या में भी लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया है। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है फिर पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है।

देश है या हिजड़ों की फौज

24 घंटे में खत्म कर दूंगा लॉरेंस बिश्नोई का नेटवर्क : पप्पू यादव

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अपराधी लॉरेंस बिश्नोई के पूरे नेटवर्क को खत्म करने की बात कही है। पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई और उसके आपराधिक गिरोह को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर कानून अनुमति दे तो मैं 24 घंटे में इस दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। पप्पू यादव ने अपने एक अन्य ट्वीट में बाबा सिद्दीकी को बिहार का बेटा कहा और इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि बाबा सिद्दीकी मूल रूप से बिहार के थे और मुंबई में जाकर उन्होंने राजनीति में अपनी पहचान बनाई थी। इस संदर्भ में उन्होंने महाराष्ट्र में हो रही हत्याओं और अपराधों पर भी सवाल उठाए और इसे 'महाजंगलराज' की संज्ञा दी। पप्पू यादव ने कहा कि पहले सिद्धू मूसेवाला की हत्या, फिर करणी सेना के मुखिया की हत्या और अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता की हत्या से यह साफ हो गया है कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं और कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची। पप्पू यादव ने कहा कि यह देश है या हिजड़ों की फौज, जहां एक अपराधी जेल में बैठकर लोगों की हत्या करवा रहा है और पूरा सिस्टम मूकदर्शक बना हुआ है।

पुलिस ने चलाया आरटीओ दफ्तर के बाबुओं के खिलाफ अभियान

» चार दलालों को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के आरटीओ दफ्तर में लगातार बाबुओ के दलालों के भ्रष्टाचार और आने जाने वालों के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने की शिकायतें मिल रही थी जिसको लेकर थाना प्रभारी निरीक्षक द्वारा तहत चार दलालों को हिरासत में लेकर उनका चालान किया गया। चौकी प्रभारी महेश कुमार सिंह हमराह उप निरीक्षक रमेश कुमार एकांस्टेबल छोटे लाल द्विवेदी अनिल कुमार यादव के देखभाल क्षेत्र में थे तभी 12 अक्टूबर को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति आरटीओं आफिस में अपना काम जल्दी कर हिसाब-किताब को लेकर आने जाने वाले व्यक्तियों के साथ गाली गलौज एवं अभद्रता कर रहा है मौके पर काफी भीड़ मौजूद है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा किए शिवम कुमार अन्य चार लोगों के साथ मिलकर आने जाने वाले व्यक्तियों के साथ अभ्रता कर रहा है तो पुलिस चारो को समझाया किन्तु नहीं माना और उलझने लगे। तो शांति व्यवस्था को कायम रखने के लिए धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत दोषी पाते हुए चार को हिरासत मे लेकर चालान किया गया। पहला आरोपी शिवम कुमार यादव पुत्र गिरीश चन्द्र यादव, गोविन्द प्रसाद पुत्र राधेलाल राकेश पुत्र रामाप्रसाद, श्रीकान्त पुत्र शिवबोधन को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

कप्तान ने परखा दोस्तपुर में विसर्जन को लेकर सुरक्षा इंतजाम

» बहराइच की घटना से पुलिस सतर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। कस्बे में दुर्गा पूजा महोत्सव अब अपने अंतिम पड़ाव विसर्जन की तरफ अग्रसर है। मंगलवार से विसर्जन यात्रा प्रारम्भ होगी जो बुधवार देर रात तक चलेगी। भक्त मां की प्रतिमाओं का भीगी आंखों के साथ विसर्जन करेंगे और मां से प्रार्थना करेंगे कि अगले वर्ष फिर मां उन्हें आशीर्वाद देने जल्दी ही आये। बहराइच में विसर्जन के दौरान हुए विवाद के बाद प्रशासन पूरी तरह से सावधान मुद्रा में हैं।

विसर्जन को लेकर पुलिस कहीं से कोई कसर रखने के मूड में बिलकुल नहीं है, खुद कप्तान सोमेन बर्मा ने सोमवार की दोपहर क़स्बा दोस्तपुर का दौरा किया और सुरक्षा के इंतजामों को परखा। कप्तान ने कस्बे के संवेदनशील एवं

अतिसंवेदनशील स्थानों का दौरा किया और साथ ही वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के लिए मातहतों को स्पष्ट निर्देश देने के साथ पेंच भी कसे। कप्तान ने लगभग पूरे विसर्जन शोभा यात्रा मार्ग का पैदल भ्रमण किया, उन्होंने सड़क के किनारे से ईंट, पत्थर आदि भी हटवाए जाने के निर्देश दिए उसके बाद मंजूषा नदी के पास पोखरे पर भी सुरक्षा का जायजा लिया। कप्तान ने साफ़ शब्दों में कहा किसी भी प्रकार का भी बवाल अगर हुआ तो कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

मेयर के सामने ही अफसर व पार्षद भिड़े

» जोन 3 की समस्याओं को लेकर बुलाई गई थी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोन 3 की समस्याओं को लेकर मेयर ने बैठक बुलाई। उसमें जमकर हंगामा हो गया। पार्षदों ने आरोप लगाया कि उनकी बात नहीं सुनी जाती है। मेयर के सामने ही अफसर और पार्षद आपस में उलझ पड़े। विवाद इतना बढ़ा कि भाषा की सीमा भी टूट गई। एक दूसरे के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया किया। यहां तक की फैजुल्लागंज वार्ड से एक पार्षद ने सफाई इंस्पेक्टर को लात-घूंसों से पीटने की धमकी दे डाली। पार्षद पर आरोप है कि उन्होंने इंस्पेक्टर का तबादला कराने की धमकी दी।

इसके अलावा महानगर पार्षद हरीश चंद लोधी पर भी नगर पशु कल्याण अफसर के साथ तू-तड़ाक कर अभद्रता करने का आरोप है। हंगामा इतना बढ़ा कि समीक्षा बैठक को बीच में ही खत्म करना पड़ा।

पार्षद ने इंस्पेक्टर से कहा - सुधर जाओ नहीं तो बहुत मारुंगा

पार्षद रामू कन्नौजिया सफाई इंस्पेक्टर विशुद्धानंद को चेताते हुए बोले- सुधर जाओ नहीं तो बहुत मारुंगा। आरोप लगाया गया कि जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पैसे लिए जा रहे हैं। जन्म प्रमाण पत्र जारी करने पर पार्षद के नाम पर पैसे मांग रहे थे। इस पर उन्होंने विशुद्धानंद को फोन कर अपने यहां आने को कहा। साथ ही बताया कि एक महिला पैसा मांगने का आरोप लगा रही है। आप आइए, मैं महिला को भी बुलाता हूं। रामू कन्नौजिया ने बताया कि बुलाने पर महिला तो आ गई पर सफाई इंस्पेक्टर नहीं आए। सफाई इंस्पेक्टर के काम से उनकी बदनामी हो रही। इसलिए गुस्सा हुआ था। बैठक में वह मिल गए इसलिए चेताया कि सुधर जाओ, पैसा मांग कर मेरी बदनामी न कराओ। यदि नहीं सुधरे तो बहुत मारुंगा।

अफसरों से अभद्रता के मुद्दे को लेकर नाराजगी काफी बढ़ गई है। इस मामले में नगर आयुक्त से बैठक में शामिल अफसरों ने मौखिक शिकायत की है।

पाकिस्तान के हारते ही टूटा भारत का सपना

» महिला टी20 विश्वकप : न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लेग स्पिनर अमेलिया केर और ऑफ स्पिनर इडेन कार्सन की फिरकी के जादू से न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को ग्रुप ए के कम स्कोर वाले मैच में 54 रन से हराकर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गेंदबाजी की अनुकूल धीमी पिच पर न्यूजीलैंड के 111 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम अमेलिया (14 रन पर तीन विकेट) और कार्सन (सात रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने 11.4 ओवर में सिर्फ 56 रन पर ढेर हो गई।

पाकिस्तान की ओर से कप्तान फातिमा सना (21) और सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (15) ही दोहरे अंक में पहुंच पाईं। टीम ने अंतिम पांच विकेट सिर्फ चार रन जोड़कर गंवाए। इस जीत से न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप ए में चार मैच में तीन जीत से छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंची। ऑस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर रही। न्यूजीलैंड की जीत के साथ भारत और पाकिस्तान का अंतिम चार में जगह बनाने का सपना भी टूट गया। महिला टी20 में यह पाकिस्तान महिलाओं द्वारा बनाया गया सबसे कम स्कोर है और 2022 में क्राइस्टचर्च में बांग्लादेश महिलाओं द्वारा 32 ऑल-आउट के बाद न्यूजीलैंड महिलाओं के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा दूसरा सबसे कम स्कोर है। बता दें, दूसरी तरफ न्यूजीलैंड पांचवीं बार महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। न्यूजीलैंड आखिरी बार 2016 में महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

पाकिस्तान के नाम दर्ज हुए शर्मनाक रिकॉर्ड

पाकिस्तान की टीम इस मैच में सिर्फ 56 रनों पर ऑल-आउट हुई। यह महिला टी20 विश्व कप में किसी टीम द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे कम स्कोर है। महिला टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर करने का शर्मनाक रिकॉर्ड बांग्लादेश के नाम है, जो 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 46 रनों पर ऑल-आउट हो गई थी। वहीं तीसरे स्थान पर बांग्लादेश ही है, जो 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ 58/9 रन ही बना पाई थी।

फ्रीबीज पर केंद्र और चुनाव आयोग को 'सुप्रीम' नोटिस

» कर्नाटक के निवासी ने दाखिल की है याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में फ्रीबीज के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। इस मामले को अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा विशेष रूप से नकदी के रूप में मुफ्त उपहारों का वादा करना रिश्वत देना करार दिया जाए। कर्नाटक के निवासी शशांक जे श्रीधर ने ये याचिका दाखिल की है।

याचिकाकर्ता के वकील बालाजी श्रीनिवासन ने सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने इस मामले के उठाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा विशेष रूप से नकदी के रूप में मुफ्त उपहारों का वादा करना, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत ऐसे राजनीतिक दल के उम्मीदवार के लिए रिश्वत या वोट के लिए प्रलोभन

माना जाए। इसके साथ ही अदालत ने चुनाव आयोग को कहा कि निर्देश जारी करे कि वो चुनाव-पूर्व अवधि के दौरान राजनीतिक दलों को फ्रीबीज का वादा करने से रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। पीठ ने इस मामले में नोटिस जारी किया और अन्य लंबित याचिका के साथ टैग कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ता को ये छूट दी है कि वो सभी याचिकाओं पर जल्द सुनवाई के लिए मेंशन कर सकते है।

पंजाब में पंचायत चुनाव में मतदान पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में पंचायत चुनावों के लिए जारी मतदान पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पंचायत चुनाव के लिए आज सुबह आठ बजे शुरू हुए मतदान पर रोक लगाई जाती है तो अराजकता पैदा होने का खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कल को इसी तरह कोई संसदीय चुनाव पर रोक लगाने की मांग रख देगा। हम इस मामले को लिस्ट कर लेते हैं, लेकिन मतदान पर कोई रोक नहीं होगी। गौरतलब है कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में वार्डबंदी, एक ही परिवार के वोट अलग-अलग वार्ड में बनने और एनओसी के विषय पर दायर लगभग एक हजार से अधिक याचिकाएं दायर हुई थीं। हालांकि, कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज कर पंजाब में पंचायत चुनाव का रास्ता साफ कर दिया है। साथ ही गत सप्ताह 270 पंचायतों के चुनाव पर लगाई गई रोक हटा दी। हालांकि कोर्ट ने कुछ याचिकाओं में चुनाव की वीडियोग्राफी की मांग को स्वीकार कर लिया है। इसके बाद आज (15 अक्तूबर) को पंजाब में पंचायत चुनाव आयोजित हुए।

उमर कल लेंगे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ

» एलजी मंत्रियों के साथ दिलाएंगे शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार 16 अक्तूबर को शपथ लेगी। अनुच्छेद-370 हटने और केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली निर्वाचित सरकार होगी। उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल के नेता उमर को बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया है।

वह श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में सुबह 11:30 बजे मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे। एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटाने की अधिसूचना के साथ नई सरकार के गठन की राह खोली थी। नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, कांग्रेस, माकपा, आप व निर्दलीय विधायकों के समर्थन का पत्र भेजकर उमर को शपथ दिलाने का आग्रह किया था। वहीं, अब्दुल्ला ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

हरियाणा के नए सीएम 17 को पदभार ग्रहण करेंगे

हरियाणा विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा 17 अक्तूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को अभूतपूर्व बनाने की तैयारी कर रही है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा अन्य शीर्ष केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा भाजपा शासित 11 राज्यों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, एनडीए में शामिल घटक दलों के प्रमुख और भाजपा के दिग्गज नेता भी मौजूद रहेंगे। भाजपा इस शपथ समारोह के जरिये इंडिया गठबंधन के मुकाबले एनडीए की एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन करेगी। भाजपा के पूर्व सांसद व शपथ समारोह के संयोजक संजय भाटिया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। इसके साथ एनडीए में शामिल घटक दलों के प्रमुखों और एनडीए शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। केंद्र सरकार के सभी मंत्री, भाजपा शासित 11 राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री, संगठन के वरिष्ठ नेता और देश के प्रबुद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

मुलाकात कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और अविनाश पांडे लखनऊ के चिनहट गैंग रेप पीड़िता से मुलाकात करने के लिए झलकारी बाई अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में पीड़िता का ईलाज चल रहा है। बीते सोमवार को लखनऊ के चिनहट इलाके में हुई थी। घटना तीन लोगों पर दर्ज हुआ एफआईआर दो की हुई गिरफ्तारी।

स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर कर्मियों का प्रदर्शन

बोले- 20 दिन पहले भी प्रदर्शन किया था, आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ समाधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में एंबुलेंस कर्मचारी ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास का घेराव किया। एंबुलेंस कर्मचारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि 20 दिन पहले भी प्रदर्शन किया था। उसे समय डिप्टी सीएम ने एक सप्ताह में समस्या का समाधान करने का वादा किया था मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद तमाम 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले तमाम तमाम कर्मचारियों ने डिप्टी सीएम की आवास का घिराव किया।

प्रदर्शन कर रहे शरद यादव ने बताया कि 2012 में हमारी नियुक्ति हुई थी। 2012 से लेकर 2021 तक हमने 108 और 102 एम्बुलेंस में सेवा दिया। मगर 2021 में 9000 कर्मचारियों को जेवीईकआरआई जो एक निजी कंपनी है जिसके माध्यम से हमारी भर्ती हुई थी उसने निकाल दिया। विगत 3 सालों से

लगातार हम लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कई बार हमने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक समेत कई मंत्रियों और सांसदों से मुलाकात किया मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

गोरखपुर में कई बार सीएम से भी की मुलाकात

गोरखपुर के राहुल वर्मा ने बताया कि कोरोना काल में एंबुलेंस चालकों और मेडिकल कर्मचारियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर सेवाएं दिया। 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारियों ने पूरे प्रदेश के मरीजों की सहायता किया। जब कोई किसी के करीब नहीं आता था उस समय हम रोगियों की पूरी मदद करते थे। कोरोना के बाद हमको बेरोजगार कर दिया गया। कई बार हमने गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके अपनी बात रखी मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं। आज भी हम लोग यहां आए हैं अगर हमारी सुनवाई नहीं होगी तो हम लोग आत्महत्या करने पर मजबूर होंगे। हमारे सामने रोजी रोटी का संकट है। बेरोजगारी के चलते दो वक्त की रोटी नहीं खा पा रहे हैं।

वक्फ बोर्ड पर गठित जेपीसी की बैठक में हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ विधेयक पर संयुक्त समिति की हो रही बैठक से विपक्षी दलों के सांसदों ने फिर से वॉकआउट किया है। विपक्ष के कई सांसदों ने भाजपा सदस्य पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। यह घटना सोमवार को वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 से संबंधित प्रस्तुति के बहिष्कार के बाद हुई, जो 2012 कर्नाटक वक्फ घोटाला रिपोर्ट पर आधारित है।

» सभी विपक्षी सांसदों ने किया वॉकआउट

प्रस्तुतिकरण कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष और कर्नाटक भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष अनवर मन्निपड्डी द्वारा दिया गया था। संसद की संयुक्त समिति की बैठक के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई और यह हंगामेदार रही। विपक्षी दलों के सदस्यों ने मुसलमानों से संबंधित कानून पर चर्चा के लिए हिंदू समूहों के सदस्यों को बुलाने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। मणिप्पडी ने वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने में कथित संलिप्तता के लिए खरगे और रहमान खान सहित कर्नाटक के कई कांग्रेस नेताओं और अन्य का नाम लिया।

लापरवाह पुलिस अधिकारियों की हो जांच

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले-षड्यंत्र की खोजबीन होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दूसरी तरफ बहराइच की घटना पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि बहराइच में स्थिति नियंत्रण में है। घटना के उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी, यदि पीछे से कोई षड्यंत्र किया गया है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि लापरवाह पुलिस अधिकारियों की भी जांच की जा रही है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। जो भी दोषी होगा उन पर कड़ी कार्रवाई होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में हुई हिंसा की घटना को गंभीरता से लिया है। जिसके बाद इस मामले में लापरवाही

इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश और गृह सचिव संजीव गुप्ता सोमवार से ही यहां कैंप कर रहे हैं। बहराइच में सोमवार को हुई हिंसा के बाद अब भी तनाव की स्थिति है जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए मौके पर 12 कंपनी पीएसी और आरपीएफ की टीम के साथ एक दर्जन से अधिक जनपदों की पुलिस फोर्स को घटना स्थल के आस-पास तैनात किया गया है।

सीएम से मिले मृतक रामगोपाल मिश्रा के पिता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बहराइच हिंसा में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की। इस बीच पीड़ित परिवार लखनऊ पहुँच गया था। सीएम योगी से मुलाकात पर मृतक के पिता कैलाश नाथ ने कहा कि उनके बेटे की गोली मारकर हत्या की गई है। उनका पूरा परिवार उजड़ गया है। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। सीएम योगी ने इस मामले में को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित परिवार को मिलने के लिए बुलाया था। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

बरतने वाले अफ़सरों पर गाज गिर सकती है। सीएम योगी ने ज़िम्मेदार अफसरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं वहीं एसपी वृंदा शुक्ला को भी हटाया जा सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।